पुष्कर पशु मेले में आकर्षण का केन्द्र बना मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा ''देव कांटा''

''बादल'' नाम का सफेद घोड़ा भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुष्कर मेला मैदान में पहुंचा





अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में लाये गये सफेद घोड़े ''बादल'' और साढ़े चार वर्षीय घोड़े ''देव कांटा'' को देखने के लिये लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

पुष्कर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में प्रदर्शन के लिए देशभर के नामी अश्वपालन केंद्रों से एक से बढ़कर एक शानदार घोड़े पहुंच रहे हैं। इन घोड़ों को देखने के लिए मेला मैदान में बड़ी संख्या में पशु प्रेमियों और मेलार्थियों की भीड़ उमड़ रही है। मेले में मारवाड़ी नस्ल का शानदार कद-काठी वाला काले रंग का साढ़े चार वर्षीय घोड़ा ''देव कांटा'' विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उसकी दमदार बनावट, शानदार कद-काठी और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर लोग उसकी ओर खिंचे चले आ रहे हैं। ''देव कांटा'' की ऊंचाई 65 प्लस बताई जा रही है। अश्व जानकारों ने इसकी कीमत करोड़ों रुपये तक आंकी है, लेकिन घोड़े के मालिक सोनू चौधरी इसे अनमोल मानते हैं।

- **अश्व जानकारों ने ''देव कांटा'' की कीमत करोड़ों रुपये तक आंकी है, लेकिन घोड़े के मालिक सोनू चौधरी इसे अनमोल मानते हैं**

नसीराबाद निवासी घोड़े के मालिक सोनू चौधरी ने बताया कि देव कांटा के पिता काला कांटा मारवाड़ी नस्ल के प्रसिद्ध घोड़े हैं, जबकि इसकी मां गोल्डन स्टार है।

उन्होंने बताया कि ''देव कांटा'' की नस्ल से प्रजनन कराने की कीमत लाखों रुपये है। एक बार प्रजनन कराने के लिए एक लाख रुपये लिए जाते हैं। अब तक ''देव कांटा'' से 35 बार प्रजनन कराया जा चुका है, जिसके शानदार परिणाम सामने आए हैं। सोनू चौधरी के अनुसार काला कांटा और देव कांटा की नस्ल से अच्छी एवं शानदार गुणवत्ता वाले घोड़े पैदा हो रहे हैं। ''देव कांटा'' से पैदा हुए घोड़ों की खरीद-फरोख्त भी काफी महंगी कीमतों पर होती है। इसी वजह से देव कांटा अपनी नस्ल और प्रजनन क्षमता के कारण विशेष पहचान बना चुका है।

पुष्कर मेले में बाउंसरों की सुरक्षा के बीच पहुंचा सफेद घोड़ा बादल :- अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में एक से बढ़कर एक शानदार घोड़ों का आगमन जारी है। रविवार को ''बादल'' नाम का सफेद घोड़ा विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुष्कर मेला मैदान पहुंचा। घोड़े को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बादल घोड़े की सुरक्षा में करीब 30 से 40 बाउंसर तैनात रहे। ढोल-धमाकों के साथ घोड़े को मेले में लाया गया। जैसे ही बादल मुख्य सड़क पर पहुंचा, उसे देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। करीब डेढ़ घंटे तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बादल को उसके तंबू तक पहुंचाया गया। इस दौरान घोड़े को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के दोनों ओर जमा हो गए। इसके चलते मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बन गई। बादल की आकर्षक बनावट और उसके साथ चल रही सुरक्षा व्यवस्था मेले में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही।

सिंघाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के ढाणी हुक्मा के पास देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 24 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में भैंसावता कलां निवासी भूपेंद्र उर्फ टिल्लू (24) पुत्र नेमीचंद की जान चली गई। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की महज 9 माह की बेटी है, जिसके सिर से पिता का साया उठ गया।

जानकारी के अनुसार भूपेंद्र देर रात बाइक से सिंघाना से अपने गांव भैंसावता कलां लौट रहा था। इसी दौरान ढाणी हुक्मा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

- **नौ माह की मासूम के सिर से पिता का साया उठा**

बाइक के परखच्चे उड़ गए और भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके पर रूकने के बजाय वाहन सहित फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल भूपेंद्र को सिंघाना के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एएसआई विनोद कुमार लामोरिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवाया। भूपेंद्र मुर्गी फार्म के दाने की गाड़ी चलाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। उसकी असमय मौत से परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पीछे 9 माह की मासूम बेटी सहित परिवार के सदस्य रह गए हैं। जिस उम्र में बेटी को पिता के स्नेह और सहारे की जरूरत थी, उसी उम्र में वह पिता के साये से वंचित हो गई।

एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि हादसे को अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही लोगों से पूछताछ कर वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों की ओर से रिपोर्ट मिलने पर मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर : सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आवारा जानवर के अचानक सड़क पर आने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसे पशु को बचाने के प्रयास में हुए। पहला मामला जोधपुर-जैसलमेर हाईवे का है। बालोतरा जिले के रहने वाले राजूसिंह ने पुलिस को बताया कि 14 नवंबर को उनका बेटा तनुसिंह (20) अपने साथी ईश्वरसिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। जैसलमेर रोड पर स्थित हनुमान का बाडिया के पास अचानक मोटरसाइकिल के सामने एक आवारा पशु आ गया। पशु को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल से नियंत्रण छूट गया और बाइक बेकाबू होकर पास की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तनुसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

वहीं विवेक विहार थाना क्षेत्र के ई-सेक्टर में भी दुर्घटना में युवक की मौत का मामला सामने आया है। प्रदीप रावल ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 13 नवंबर को उसका भाई अजय पाल रावल (24) भगतासनी हाउसिंग बोर्ड से अपनी मोटरसाइकिल लेकर सांगरिया गांव जा रहे थे। रास्ते में अचानक सामने एक नीलगाय आ गई। नीलगाय को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और स्लिप हो गई। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अजय पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

तार चोरी के मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने तीन आरोपियों को पकड़ा

89.600 किलो ओएचई तार, पिकअप, बाइक, कैंची, प्लास एवं तार काटने में प्रयुक्त अन्य उपकरण जब्त

कोटा, (निसं)। मंडल में ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तारों की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएस) टीम ने रेल संपति चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में चार अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है, जबकि छह संदिग्धों से पूछताछ जारी है। मामले का खुलासा करने के लिये आरपीएफ अधिकारियों द्वारा 5 टीमों का गठन कर आरोपियों की धरपकड़ और चोरी में शामिल नेटवर्क का पता लगाने के लिए सघन जांच की जा रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा मंडल में 9 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच ओएचई तार काटने एवं चोरी की चार घटनाएं सामने आई हैं। इनमें जुल्मी-झालावाड़ सिटी रेलखंड पर दो तथा अलनिया-दाढ़देवी और बरुंदनी-

- **मामले में चार अन्य आरोपियों की पहचान कर तलाश की जा रही है**

पारसोली रेलखंड पर एक-एक घटना शामिल है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ द्वारा आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और चोरी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। रामगंजमंडी आरपीएफ पोस्ट द्वारा ओएचई चोरी के दो मामलों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सफलता प्राप्त की। कार्रवाई के दौरान लगभग 89.600 किलोग्राम ओएचई तार, जिसकी कीमत 32,166 रुपये है, बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त एक पिकअप वाहन, मोटरसाइकिल, लोहे की बड़ी कैंची, प्लास एवं तार काटने में प्रयुक्त अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। इस संबंध में रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम एवं रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने कहा कि ओएचई तार काटने की घटनाएं केवल रेलवे संपत्ति की चोरी नहीं, बल्कि यात्रियों एवं रेल परिचालन की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध हैं। रेलवे प्रशासन ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन श्रीवास्तव के नेतृत्व में आरपीएफ द्वारा अन्य आरोपियों की तलाश और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही राजस्थान पुलिस के साथ समन्वय कर घटनाओं में शामिल अन्य व्यक्तियों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केमिकल फैक्टरी में आग लगी

कोटा, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र के रोड नम्बर छह पर स्थित एक केमिकल फैक्टरी में अचानक से आग लग गई, आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निश्मन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंची और चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

- **मौके पर पहुंची चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया**

अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र के रोड़ नम्बर छह पर स्थित एक केमिकल फैक्टरी मे आग लगने की सूचना मिली, केमिकल फैक्टरी में केमिकल के कारण इसके फैलने की आशंका को देखते हुए अलग-अलग फायर स्टेशनों से 4 दमकलों को मौके पर भेजा गया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। अग्निश्मन अधिकारी ने बताया कि रविवार को केमिकल फैक्टरी के अलावा शहर में एक दो अन्य स्थानों पर आग लगने की घटना सामने आई, जहां दमकल भेजकर समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

नशा कोई भी हो, घातक होता है : डॉ. मोहन भागवत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। इस शिविर में पांच हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। समापन कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मौजूद रहे। इस दौरान भागवत ने कहा कि ब्रिटिशर्स ने हमारी शिक्षा खत्म कर दी और खुद की हम पर लाद दी। इसलिए हमारे सम्पन्न लोग गरीब हो गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिशर्स ने हमारे देश को एक प्रकार से नशे में डाल दिया। ब्रिटिश शासनकर्ताओं ने देख लिया कि हमारी सत्ता यहां सरक्षित नहीं है, जब तक ये होश में है। इन्हें जीतना संभव नहीं है। इन्हें बेहोश कर दो।

मोहन भागवत ने कहा कि नशा कोई भी हो घातक होता है। नशा केवल केमिकल ड्रग्स नहीं चाय कॉफी भी व्यसन बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि इंस्ट्ग्राम और फेसबुक के साथ प्रसिद्धि का भी नशा होता है। हम धर्मपरायण देश है। पूरी दुनिया को परोपकार से जोड़ने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमणकारी एक के बाद एक जो नशे

- **जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम का समापन**

लाए हैं उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले हैं। मरूनिनाद कार्यक्रम 12 नवंबर को शुरु हुआ था। इसे लेकर शनिवार को शहर में तीन अलग-अलग जगहों से पथ संचलन भी निकला था।

शिविर में 500 से ज्यादा स्वयंसेवक पूरी व्यवस्था देखी। शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में बने मैदान को भी स्वयंसेवकों की ओर से तैयार किया गया। इसमें जोधपुर प्रांत के करीब 5 हजार स्वयंसेवक हिस्सा लिया। भागवत ने कहा कि एक ही आहवान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे। संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे। यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते हैं। कई काम हैं उसमें आइए..या ऐसा करने वालों की सहायता कीजिए। यदि ऐसा नहीं हो सकता है तो जो आप अपनी जगह पर के रहे हो वो निस्वार्थ होकर देश का सोचकर कीजिए। उन्होंने कहा कि जब समाज खड़ा होता है तो असंभव काम भी सिद्ध हो जाते है। कार्यक्रम के पीछे ये ही अर्थ है कि परिस्थिति और कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपने काम कीजिए। सरसंघचालक ने कहा कि जब संघ शुरू हुआ और शारिरिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई तो बैंड की जरूरत थी। स्वयंसेवकों ने रण संगीत का निर्माण किया था। उसके मन में स्वाभिमान का भाव जगता है। हम सभी को साथ लेकर चलना है। सारे समाज में अपनापन व्याप्त होना चाहिये, छोटे-छोटे अहंकार मिट जाने चाहिए। संगठन की शक्ति ही विजयशाली होती है। भागवत ने कहा कि समाज का आचरण वातावरण से बदलता है। कोई कुछ करता है तो कोई दूसरा भी देखता है। हम धर्म परायण देश है। पूरी दुनिया को परोपकार से जोड़ने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमकारी एक के बाद एक जो नशे लाए है, उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले हैं।

चोरी की वारदात का खुलासा

उदयपुर, (का.सं.)। जिले की बडगांव थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा करते हुए दो युवकों सहित एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया है।

जानकारी के अनुसार बड़गांव थाना क्षेत्र में एक सूने मकान का ताला

- **पुलिस ने दो युवकों सहित एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया है**

तोड़कर चोरी की वारदात हुई थी। पुलिस टीम ने क्षेत्र में लगे एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करते हुए मुखबीर तंत्र की सहायता से संदिग्धों की पहचान कर दबीश देकर 24 घंटे के भीतर ही वारदात का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने वारदात में लिप्त डांगियों का गुडा थाना सुखेर निवासी जितेन्द्र (20), विकास (22) को गिरफ्तार करते हुए एक बाल अपचारी को निरूद्ध चोरी गए जेवरात व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को अदाल में पेश किया जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

मृत युवक के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके में शनिवार देर शाम को स्टेशन क्षेत्र के राम मंदिर रोड पर स्थित मधुर डेयरी में हुए अग्निकांड की चपेट में आने से झुलसने से मृत युवक के परिजनों ने रविवार को मुआवजे की मांग को लेकर पोस्टमार्टम रूम के बाहर प्रदर्शन किया और मुआवजा नहीं मिलने तक पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर मृतक के परिजनों व परिचितों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही एसडीएम व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश की गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम को स्टेशन क्षेत्र के राम मंदिर रोड स्थित मधुर डेयरी में आग लग गई। आग की चपेट में आने सें मधुर डेयरी में काम करने वाले भदाना निवासी लेखराज की गंभीर रूप से झुलसने से मौत हो गई थी। घटना के बाद रविवार को मृतक के शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही थी, उसी दौरान मृतक के परिजनों व परिचितों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करते हुए पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। बाद में मुआवजे की मांग को लेकर पोस्टमार्टम रूम के बाहर ही धरने पर बैठ गये। एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर हंगामा व धरने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजनों से समझाइश की। आलाधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश करते हुए नियमानुसार मिलने वाली सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन प्रदर्शन कर रहे लोगों द्वारा मुआवजे में आर्थिक सहायता के रूप में करीब 20 लाख से अधिक राशि देने की मांग की जा रही थी, जिसके चलते मृतक के शव का पोस्टमार्टम की कार्यवाही रूक गई बाद मे काफी समझाइश के बाद दुकान के मालिक व व्यापारियों द्वारा परिजनों को ढाई लाख रूपये मौके पर सहायता राशि देने के बाद समझौता हुआ और पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई।

जैसलमेर की धरती आज भी भूमिगत बिजली लाइनों की बाट जोह रही

जैसलमेर, (निसं)। स्वर्णनगरी जैसलमेर की धरती सदियों से अपनी सहनशीलता, अतिथि सत्कार और मानवीय संवेदनाओं के लिए पहचानी जाती रही है। यहां की लोक परंपरा इतनी समृद्ध रही है कि राह चलते किसी प्यासे व्यक्ति के पानी मांगने पर उसे केवल पानी ही नहीं, बल्कि गाय का शुद्ध दूध पिलाकर सत्कार करने की परंपरा भी रही है। सीमित संसाधनों और विषम रेगिस्तानी परिस्थितियों के बावजूद यहां के बाशिंदों ने हमेशा उदारता और सहनशीलता का परिचय दिया है। लेकिन विडंबना यह है कि राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला जैसलमेर आज भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए परेशान है।

गौरतलब है कि जैसलमेर जिला प्राकृतिक संपदा, खनिज, सौर ऊर्जा, पर्यटन और कृषि के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी

- **सोनू के लाइमस्टोन से रेलवे, सौर ऊर्जा से देश और पर्यटन से प्रदेश को मिल रहा भारी राजस्व**

विशिष्ट पहचान रखता है। सोनू क्षेत्र की लाइमस्टोन खदानों से निकलने वाला चूना पत्थर रेलवे के लिए महत्वपूर्ण राजस्व और औद्योगिक गतिविधियों का आधार बना हुआ है। वहीं जिले के विशाल रेगिस्तानी भूभाग में स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली देश के विभिन्न हिस्सों को रोशन करने में योगदान दे रही है। देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही से पर्यटन व्यवसाय के माध्यम से प्रदेश और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विशाल कृषि भूमि पर मेहनतकश किसान खेती के माध्यम से धरती से सोना उगा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्र होने के बावजूद जैसलमेर के लोगों ने अपनी मेहनत, धैर्य और जीवटता से इस क्षेत्र को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया है।

जैसलमेर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की बरसात, तेज आंधी और मौसम में मामूली बदलाव आते ही बिजली आपूर्ति बाधित हो जाना आम समस्या बनती जा रही है। कई बार थोड़ी सी बूंदाबांदी या तेज हवा चलते ही एहतियात के तौर पर बिजली बंद कर दी जाती है। इससे घरों में रहने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों, व्यापारियों और अन्य नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्य और व्यापार प्रभावित होते हैं। वहीं सर्दियों और पर्यटन सीजन में भी बार-बार बिजली गुल होने से होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन व्यवसाय और स्थानीय व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। बिजली पर निर्भर छोटे व्यवसायों और प्रतिष्ठानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार जहां तकनीकी और भौगोलिक परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां भूमिगत विद्युत लाइनें बिछाने से आंधी, बारिश, पेड़ों की डालियों और खुले तारों से होने वाली कई प्रकार की बाधाओं को कम किया जा सकता है। इससे विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ शहर की सुंदरता और सुरक्षा में भी सुधार हो सकता है। जैसलमेर की ऐतिहासिक पहचान, पर्यटन की संभावनाओं और भविष्य की बढ़ती आबादी को देखते हुए चरणबद्ध तरीके से भूमिगत विद्युत लाइन बिछाने की योजना तैयार करना समय की आवश्यकता है। विशेषकर सोनार दुर्ग, भीतरी शहर, प्रमुख बाजारों, घनी आबादी वाली बस्तियों और पर्यटन क्षेत्रों में इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य किया जाना चाहिए।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में दिखा ''पैंथर''

बूंदी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में वन्यजीवों की मौजूदगी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शनिवार सुबह जोन नंबर एक में जिप्सी सफारी के दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में पर्यटकों को बघेरे (पैंथर)

- **बघेरे की सुनहरी आभा और उसकी मनमोहक झलक ने पर्यटकों की सफारी को यादगार बनाया**

का दीदार हुआ। जंगल के प्राकृतिक परिवेश में बघेरे की सुनहरी आभा और उसकी मनमोहक झलक ने पर्यटकों की सफारी को यादगार बना दिया।

बूंदी के सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी अनिल गुप्ता (भंडारी) अपनी



जिप्सी सफारी के दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में पर्यटकों को बघेरे (पैंथर) का दीदार हुआ।

पत्नी इंदु भंडारी, बैंक ऑफ अमेरिका में मैनेजर पुत्र अधीश भंडारी, पुत्रवधू रितिका भंडारी तथा एसेंचर में मैनेजर बेटी श्रद्धा भंडारी के साथ टाइगर रिजर्व की सैर पर पहुंचे थे। इसी दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में उन्हें बघेरा नजर आया। खास बात यह रही कि दूसरी जिप्सी में सवार गुजरात से आए पर्यटकों को भी बघेरे को करीब से देखने का अवसर मिला।

गौरतलब है कि रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व वन्य जीव पर्यटन के उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। वर्तमान में यहां पर्यटकों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन बाघों और बघेरों की लगातार साइटिंग पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जंगल की समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों की मौजूदगी रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व को पर्यटन की दृष्टि से विशेष पहचान दिलाने की क्षमता रखती है। बेहतर प्रचार-प्रसार और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से आने वाले समय में यह राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में अपनी जगह बना सकता है।

बूंदी शहर की सफाई और अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

बूंदी, (निसं)। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन एवं नगर परिषद ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। इसी के तहत रविवार को जिला कलैक्टर हरफूल सिंह यादव और नगर परिषद सभापति भरत शर्मा ने शहर के प्रमुख मार्गों का औचक निरीक्षण कर सफाई एवं अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार जिला कलैक्टर और सभापति ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से नैनवां रोड

- **जिला कलैक्टर और सभापति ने शहर का औचक निरीक्षण किया**
- **दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने और कचरा पात्र रखने के निर्देश**

चौराहे तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे और नालियों के ऊपर दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थाई अतिक्रमण को देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। उन्होंने दुकानदारों से समझाइश करते हुए स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की। साथ ही प्रत्येक दुकान पर कचरा पात्र रखने और आसपास सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी बहादुर सिंह सर्किल स्थित सब्जी मंडी भी पहुंचे। यहां उन्होंने मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। प्रशासन की ओर से दुकानदारों को आश्वस्त किया गया कि उन्हें जल्द ही व्यवस्थित रूप से दुकानों का आवंटन किया जाएगा।इसके अलावा सब्जी मंडी के मुख्य द्वार और बाहर सड़क परअव्यवस्थिततरीके से खड़े रहने वाले हाथ ठेला चालकों को भी समझाइश दी गई। अधिकारियों ने उन्हें यातायात में बाधा उत्पन्न नहीं करने तथा निर्धारित स्थान पर ही ठेले लगाने के निर्देश दिए।प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाना, सफाई व्यवस्था में सुधार करना और आमजन के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है।